

प्रेषक,

अंजली प्रसाद,
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा
हल्द्वानी, नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

आगमन दिनांक 03 जनवरी 2009

विषय- वित्तीय वर्ष 2007-2008 में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्तमुनि
रुद्रप्रयाग में भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपका पत्र संख्या दिशी क्रमांक 1915/2007-08 दिनांक 26-4-08 तथा एवं शासनादेश संख्या 917/XXIV (7)/2006 दिनांक 19-1-06 एवं शासनादेश संख्या 270/XXIV (7)/2008 दिनांक 11-3-08 के संदर्भ में भूजे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय महाविद्यालय अगस्तमुनि रुद्रप्रयाग को लेकर थियेटर एवं छात्रावास भवन निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण नियम को अनुमोदित आगमन रु० 2,20,00,000/-के विषय; अवशेष धनराशि रु० 23,50,00,000 (रु० तिहत्तर लाख पचास हजार मात्र) को खर्च करने की सहमति स्वीकृति प्रदान करत है।

2. स्वीकृत धनराशि को उपरोक्त कार्य में प्रतिबद्ध किसी अन्य कार्य में खर्च नहीं किया जायेगा तथा अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति की प्रक्रिया में कोई अन्य खर्च नहीं किया जायेगा एवं समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं वित्तव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण निर्देशक उच्च शिक्षा द्वारा करने के उपरान्त सम्बन्धित निर्माण इकाई को अवमुक्त किया जायेगा।

3. स्वीकृत धनराशि के उपयोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत सम्बन्ध शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा निर्माण कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अवगत कराया जायेगा। निर्माण कार्य के लिये अवमुक्त की गई धनराशि का उपयोग तथा कार्य पूर्ण किया जाना ईश्वर से इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने के लिये प्राचार्य द्वारा समुचित पर्यवेक्षण किया जायेगा तथा निर्माण इकाई द्वारा विनियम करने की दशा में शासन द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। विलम्ब की दशा में आगमन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।

4- निदेशक उच्च शिक्षा कायदाई धनराशि अवमुक्त करने में पूर्ण कार्यवाही सारण से एक सप्ताह में अवमुक्त की जायेगी। धनराशि के निर्गत प्रशासनिक विचारधर्मों के अनुरूप समय-समय पर कार्य पूर्ण करने की निश्चित गारंटी प्रदान कर लेगी। यदि

लिखित समयावधि के अर्न्तगत कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो एक माह का ग्रेस पीरियड देते हुये कार्यदाई संस्था से 5 प्रतिशत आर्थिक जुमाना उसका आग्रह। तीन माह से अधिक विलम्ब होने पर कार्यदाई संस्था को नार्ति सूची में सम्मिलित करने एवं कार्यवाही अगल में लाई जायेगी।

5- उक्त निर्माण कार्य में आर.सी.सी. फल्ट सफाई जो मु. विज्ञानिक द्वारा दिये गये सुझावों के अनुसार प्राविधानित किया गया है। न समझ में पाने वाले सूचक अभिलेखों में तकनीकी पुष्टि किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। किम मय निर्माण कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण सम्बन्धित महाविद्यालय के प्रचार द्वारा सुनिश्चित कर लिया जाय। उक्त रिपोर्ट से शासन को अवगत कराया जाय।

6- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय केवल वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय व्यय की अनुदान रा. 11 के आयोजनागत पक्ष में नीचे उल्लेख शीर्षक 4222 किया जाय। सूचक तथा सरगति पर पूंजीगत परियोजना - 11 आयोजना 2007-08 वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत आयोजना - 11-आदर्श महाविद्यालय की आयोजना - 24-मुद्रा निर्माण कार्य के नाम परला जायेगा।

7- यह आदेश जिला विभाग के अधिसूचना संख्या 623 (P) XXXV(1), 2007 दिनांक 8-1-2009 में प्रकाशित की गयी है।

सचिव

(अ. नं. प्रशा.)

संज्ञक

सं. 1/22 (1)/XXIV (7) 82(2)/2008 तदुदिनांक

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं जानकारी के लिये भेजा जाय।

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- आयुक्त महानगर भण्डल।
- 3- जिलाधिकारी सादरगढ़।
- 4- कोषाधिकारी हल्द्वानी-नैनीताल।
- 5- प्रयोजना प्रबन्धक उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण नियम, श्रीमन् 2002।
- 6- प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्तमुनि-रूद्रगढ़।
- 7- निदेशक एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड।
- 8- वजेट राजकोपीय नियोजन एवं संसाधन विभाग देहरादून।
- 9- वित्त अनु0-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 10- विभागीय आदेश पुरितक।

संज्ञक 88

(सं. नं. नं. 1/22)

अथवा संज्ञक